दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०९ | अंक:२०७ | मुंबई,बुधवार ३१ दिसंबर २०२५ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

वर्सोवा विधानसबा वार्ड क्रमांक 62 से निर्दलीय उम्मीदवार अल्ताफ शब्बीर मेमन जब पर्जा भरकर बाहर निकले तो उनके क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का अंधेरी स्पॉट कॉम्प्लेक्स के बाहर जनसैलाब देखने को मिला। कार्यताओं के इस उत्साह से ऐसा लगता है कि ज़्यादा आसान होगी अल्ताफ शब्बीर मेमन की जीत.

BMC चुनाव से पहले मुंबई कांग्रेस में टिकट वितरण पर घमासान, बाहरी उम्मीदवारों को तरजीह से कार्यकर्ता नाराज़

मुंबईः आगामी मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी के भीतर टिकट वितरण

को लेकर गंभीर असंतोष उभरकर सामने आया है। यह नाराज़गी किसी सहयोगी दल या गठबंधन से जुड़ी नहीं है, बल्कि कांग्रेस की अपनी ही सीटों पर गैर-कांग्रेस सदस्यों या हाल ही में पार्टी की सदस्यता लेने वाल ` नेताओं को प्रमुख टिकट दिए जाने को लेकर है। कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि वर्षों से संगठन के लिए लगातार काम कर रहे समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर ऐसे चेहरों को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिनका कांग्रेस से जुड़ाव हालिया है या जिनका संगठनात्मक संघर्ष नगण्य रहा है।

पार्टी से जुड़े सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि कार्यकर्ताओं की नाराज़गी वंचित बहुजन आघाड़ी (VBA) या किसी अन्य गठबंधन सहयोगी के खिलाफ नहीं है। असंतोष की जड़ पूरी तरह कांग्रेस के अंदरूनी टिकट वितरण के फैसलों में छिपी हुई है, जहां अपनी पारंपरिक और मजबूत सीटों पर बाहरी उम्मीदवारों को तरजीह दी जा रही है। सोशल मीडिया पर भी इस नाराज़गी की गूंज साफ सुनाई दे रही है। फेसबुक पर सामने आए कई कमेंट्स में कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने खुलकर अपनी नाराज़गी जाहिर की है और पार्टी नेतृत्व के फैसलों पर सवाल उठाए हैं। एक कांग्रेस समर्थक ने टिप्पणी करते हुए लिखा कि पार्टी के लिए वर्षों तक मेहनत करने वाल ` कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर ऐसे लोगों को टिकट दिए जा रहे हैं जो हाल ही में पार्टी में शामिल हुए हैं। वहीं एक अन्य कमेंट में कहा गया कि केवल सदस्यता लेने से कोई कांग्रेस नेता नहीं बन जाता, इसके लिए जमीन पर संघर्ष और समर्पण जरूरी होता है।

ठाकरे भाई मिले, उम्मीदवार खिसके

मुंबई में सियासी उलझन

सईद शेख

मुंबई। 24 दिसंबर को वर्ली के ब्लू सी होटल में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए अपनी युति की घोषणा की। मंच से राज ठाकरे ने एलान किया कि मुंबई का महापौर मराठी होगा और वही बनेगा, जबकि उद्धव ठाकरे ने भाजपा को खुली चुनौती दी। यह तस्वीर राजनीतिक तौर पर जितनी मजबूत दिखी, उतनी ही अधूरी भी रही, क्योंकि दोनों ठाकरे बंधुओं ने जानबूझकर सीट बंटवारे का फॉर्मूला सार्वजनिक नहीं किया। मनसे और ठाकरे गुट की शिवसेना कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, इसका जवाब उसी दिन टाल दिया गया। युति की घोषणा के बाद भी उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं हुई। इसके बजाय सीधे एबी फॉर्म बांटे जाने लगे। 'ठाकरे ब्रांड' और 'ऐतिहासिक युति' की चर्चा के बीच नामांकन के आखिरी दिन तक हालात ऐसे बन गए कि ठाकरे बंधू तो एक साथ दिखे, लेकिन कई इलाकों में उम्मीदवार हाथ से निकलते चले गए।

सबसे ज्यादा असर आदित्य ठाकरे के विधानसभा क्षेत्र वर्ली में दिखाई दिया। वॉर्ड 196 से पद्मजा चेंबुरकर को टिकट मिलने पर स्थानीय नेताओं में नाराज़गी उभरी, वहीं वॉर्ड 193 में कोळीवाड़ा के प्रभावशाली नेता सूर्यकांत कोळी ने टिकट न मिलने पर पद से इस्तीफा दे दिया। उनके प्रभाव वाले वोट अब किस ओर जाएंगे, इस पर सवाल खड़े हो गए हैं। दादर के वॉर्ड 192 में मनसे के यशवंत किल्लेदार को उम्मीदवार बनाए जाने से ठाकरे गुट के इच्छुक प्रकाश पाटणकर

नाराज़ हो गए। नाराज़गी इतनी बढ़ी कि पाटणकर की पत्नी को शिंदे गुट की शिवसेना से टिकट मिल गया। इसी वॉर्ड में मनसे की सरचिटणीस स्नेहल जाधव ने भी इस्तीफा दे दिया, जिससे युति की अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गई। गोरेगांव में ठाकरे गुट को बड़ा झटका लगा, जब नेता समीर देसाई भाजपा में शामिल हो गए। उनके प्रभाव वाले वॉर्ड से ठाकरे गुट ने उम्मीदवार बदला, जिसके जवाब में भाजपा ने देसाई की पत्नी को मैदान में उतार दिया। इससे आसपास के वॉर्डों में भाजपा को बढ़त मिलने की चर्चा है। भांडुप में भी मनसे और ठाकरे गुट के बीच सीटों को लेकर तनाव बना हुआ है। मनसे के कुछ इच्छुक उम्मीदवार अपक्ष चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं, जिससे राज ठाकरे को खुद मैदान में उतरकर नाराज़गी दूर करनी पड़ रही है।

दादर-प्रभादेवी इलाके में मनसे नेता संतोष धुरी को टिकट न मिलने से कार्यकर्ताओं में असंतोष है, हालांकि सार्वजनिक तौर पर इसे दबाने की कोशिश की जा रही है। कुल मिलाकर, सीट बंटवारे का फॉर्मूला अब भी स्पष्ट नहीं है। शिंदे गुट की शिवसेना उन इलाकों में धैर्य के साथ चाल चल रही है, जहां ठाकरे बंधुओं की युति में अंदरूनी असंतोष नजर आ रहा है। मुंबई जीतने के इरादे से बनी यह युति अब उम्मीदवारों की नाराज़गी और पलायन की चुनौती से घिर गई है। आने वाले दिनों में यही तय करेगा कि ठाकरे बंधुओं की एकजुटता भारी पड़ेगी या अंदरूनी कलह उनका गणित बिगाड़ देगी।

रात 3 बजे टूटी आघाड़ी, कांग्रेस ने दिया धोखा, 'तूतारी' को लटकाया

नागपुर में भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के उद्देश्य से महाविकास आघाड़ी में शामिल प्रमुख दल कांग्रेस ने पहले अपने सहयोगी दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया था। कांग्रेस के शहर अध्यक्ष ही नहीं, बल्कि कई वरिष्ठ नेता भी इसी तैयारी में नजर आ रहे थे।

हालांकि, कांग्रेस ने जिस तरह से अपने दोनों सहयोगी दलों को ऐन वक्त पर दरकिनार किया, उससे यह उसकी पूर्वनियोजित रणनीति ही प्रतीत होती है। नागपुर में कांग्रेस ने सभी 151 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना द्वारा मुंबई में मनसे के साथ गठबंधन किए जाने के बाद कांग्रेस ने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया था कि वह नागपुर में उद्धव सेना को साथ नहीं लेगी।

नेताओं व कार्यकर्ताओं में भारी रोष

इसके बावजूद कांग्रेस ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के साथ गठबंधन की संभावना अंतिम समय तक बनाए रखी और नामांकन की अंतिम तारीख से ठीक पहले रात 3 बजे तक कोई अंतिम निर्णय नहीं सुनाया। इसके चलते राकांपा (शप) ने भी अपने उम्मीदवार उतारने का फैसला कर लिया। परिणामस्वरूप महाविकास आघाड़ी टूट गई और कांग्रेस के खिलाफ दोनों सहयोगी दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं में भारी रोष देखने को मिल रहा है।

रात 3 बजे तक नहीं उठाया फोन

अंदरखाने की जानकारी के अनुसार सोमवार रात 10 बजे से लेकर रात 3 बजे तक राकांपा के एक वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री ने कांग्रेस नेतृत्व से सीटों को लेकर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन कॉल तक रिसीव नहीं की गई। बताया जा रहा है कि कांग्रेस पहले राकांपा के लिए 15 सीटें छोड़ने पर सहमत थी और टिकट वितरण का फॉर्मूला भी तय हो चुका था, लेकिन अंतिम समय पर कांग्रेस नेताओं ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

उम्मीदवारों के नाम अंतिम

इसके बाद राकांपा ने 79 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का निर्णय लिया और उन्हें एबी फॉर्म भी वितरित कर दिए। स्थानीय नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस आखिरी समय तक राकांपा को राजनीतिक रूप से कमजोर करने की कोशिश करती रही। हालांकि, पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख ने रात 3 बजे सक्रिय होकर अपने उम्मीदवारों के नाम अंतिम रूप दिए।

शराब पीकर चलाया वाहन तो लॉकअप में न्यू ईयर, 131 स्थानों पर नाकाबंदी, क्लबों में होगी आकस्मिक जांच

नागपुर शहर में 31 दिसंबर का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। हर साल की तरह इस बार भी जश्न मनाने वालों के साथ-साथ पुलिस विभाग ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। बुधवार शाम से शहर में 131 स्थानों पर नाकाबंदी शुरू की जाएगी। क्रिसमस पार्टी के दौरान डाबो क्लब में हुए विवाद और हत्या की घटना के बाद पुलिस और अधिक सतर्क हो गई है।

इस बार पुलिस ने क्लबों के भीतर आकस्मिक जांच के लिए उड़न दस्तों का गठन किया है। कहीं भी अनियमितता पाए जाने पर क्लब संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। साथ ही पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन कराना अनिवार्य होगा। ड्रग्स की जांच के लिए प्रशिक्षित स्निफर डॉग्स की भी मदद ली जाएगी।

सुरक्षा बंदोबस्त की समीक्षाः पुलिस आयुक्त रविंद्रकुमार सिंगल और संयुक्त आयुक्त नवीनचंद्र रेड्डी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा बंदोबस्त की समीक्षा की। सीपी सिंगल ने बताया कि इस बार शहर में होने वाले सभी आयोजनों पर विशेष नजर रखी जाएगी। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। नशे में वाहन चलाते पकड़े जाने पर न्यू ईयर की शुरुआत थाने के लॉकअप में ही होगी।

फ्लाइंग स्क्वाड की भी तैनातीः बिना परमिट शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए विशेष दस्तों का गठन किया गया है। ढाबों और सावजी भोजनालयों में शराब पीने की सुविधा

उपलब्ध कराने वाले संचालकों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। नाकाबंदी के साथ-साथ बड़ी संख्या में फ्लाइंग स्क्वाड तैनात किए गए हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया कि ड्रंकन ड्राइव के मामलों में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। परिवार के साथ बाहर निकलने वाले नागरिकों को असुविधा न हो, इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं। मंगलवार रात से ही प्रमुख चौराहों पर नाकेबंदी शुरू कर दी गई है।

भीड़भाड़ वाले इलाकों पर विशेष निगरानी

फुटाला, धरमपेठ, सदर, अमरावती रोड और वर्धा रोड जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष पुलिस गश्त रहेगी। महिलाओं और युवतियों से छेड़छाड़ करने वालों को सीधे हिरासत में लेने के निर्देश दिए गए हैं। सोशल मीडिया पर बिना अनुमति पार्टी प्रचार करने वालों पर भी पुलिस की नजर रहेगी। जहां भी पार्टियां आयोजित होंगी, वहां महिला सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे।

18 साल से बीजेपी में रहकर भी दिव्या मराठे को नहीं मिला टिकट, कर दिया हंगामा

कार्यकर्ताओं के साथ बीजेपी कार्यालय में भीड़ गयी दिव्या मराठे

छत्रपति संभाजीनगर : वार्ड नंबर 20 से चुनाव लड़ने के लिए तैयार भाजपा की उम्मीदवार दिव्या मराठे को टिकट नहीं दिया गया। उसने अपने समर्थकों के साथ मिलकर हंगामा खड़ा कर दिया, यह आरोप लगाते हुए कि वह पिछले 18 वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रही थी, लेकिन किसी और को टिकट दिया गया था भाजपा और शिवसेना के बीच छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम (सीएसएमसी) चुनावों के लिए अंतिम रूप नहीं दिया जा सका, जिन उम्मीदवारों को भाजपा की उम्मीदवारी नहीं मिली, उन्होंने मंगलवार को पार्टी कार्यालय के सामने हंगामा खड़ा कर दिया। दूसरी ओर, शिवसेना कार्यकर्ताओं ने गठबंधन तोड़ने का जश्न मनाया। वार्ड नंबर 20 से चुनाव लड़ने के लिए तैयार भाजपा की उम्मीदवार दिव्या मराठे को टिकट नहीं दिया गया। उसने अपने समर्थकों के साथ मिलकर हंगामा किया, यह आरोप लगाते हुए कि वह पिछले 18 वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रही थी, लेकिन किसी और को टिकट दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के नेताओं ने उन लोगों को टिकट आवंटित किए हैं जिनका पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है और नए शामिल सदस्य हैं।

गठबंधन को लेकर भाजपा और शिवसेना नेताओं के बीच नौ दौर की बैठकें हुईं, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। भाजपा ने सात महत्वपूर्ण सीटों पर दावा किया, और इसलिए, असंतुष्ट शिवसेना कार्यकर्ताओं ने सोमवार को अभिभावक मंत्री संजय शिरसत के आवास पर एक मोरचा बुलाया। शिरसथ ने कहा कि आधी रात को शिवसेना ने 65 उम्मीदवारों को एबी फॉर्म जारी किया। भाजपा के शहर अध्यक्ष किशोर शितोले ने कहा कि भाजपा शिवसेना को 37 सीटें देने के अपने रुख पर अडिग है और उम्मीदवारों को मंगलवार को नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है। शिरसथ ने कहा कि सोमवार को कई चर्चा के बाद भाजपा गठबंधन की मानसिकता में नहीं थी और इसलिए शिवसेना को निर्णय लेना पड़ा। मराठवाड़ा में नगर निगमों में तस्वीर समान है। महायुति और महा विकास अघाड़ी दोनों में संबद्ध पक्षों के बीच विवाद किसी भी आम सहमति तक पहुंचने में विफल रहे हैं। परभणी में भाजपा और शिवसेना ने गठबंधन किया है, जबकि एनसीपी और एनसीपी (एसपी) एक साथ चुनाव लड़ रही हैं। शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस ने तीसरा मोर्चा बनाया है। जालना में भाजपा और शिवसेना के बीच कुछ सीटों पर सहमति है, लेकिन एनसीपी स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। सूत्रों ने कहा कि सीट बंटवारारी वार्ता के दौरान एनसीपी की अनदेखी की गई थी, इसलिए पार्टी ने यह निर्णय लिया है।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

परिवर्तन की दहलीज पर कांग्रेसः क्या प्रियंका गांधी बनेंगी कांग्रेस के पुनर्जागरण की धुरी?

आज के राजनीतिक परिदृश्य में कांग्रेस न केवल बिखरी हुई है, बल्कि वह अपने अस्तित्व के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है। जब पीएम मोदी कांग्रेस मुक्त भारत का नारा बुलंद करते हैं, तो विरोधी दल और राजनीतिक विश्लेषक भी इस बात को पूरी तरह खारिज नहीं कर पाते, क्योंकि चुनावी आंकड़ों में कांग्रेस का ग्राफ लगातार गिरा है। यह कहना कि कांग्रेस पूरी तरह खत्म हो गई है, जल्दबाजी होगी, लेकिन यह कड़वा सच है कि वह अब वैसी मजबूत शक्ति नहीं रह गई है जैसा उसका गौरवशाली इतिहास रहा है। आज पार्टी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों स्तरों पर बेहद कमजोर स्थिति में है। राजनीति के मौजूदा वातावरण में यह स्पष्ट है कि कांग्रेस के पुनरुद्धार के लिए केवल सतही सुधार काफी नहीं हैं। इसके लिए संगठन की जमीनी संरचना से लेकर शीर्ष नेतृत्व के विजन तक, दोनों ही स्तरों पर व्यापक, साहसिक और आमूल-चूल परिवर्तनों की आवश्यकता है, जिसकी चर्चा आज गलियारों से लेकर जनमानस तक में निरंतर होती रहती है। कांग्रेस पार्टी के इतिहास और वर्तमान को देखें तो यह स्पष्ट होता है कि पार्टी बाहरी चुनौतियों से ज्यादा अंदरूनी कलह और आपसी मतभेदों के कारण टूटी और बिखरी है। राजनीति में वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन कांग्रेस में यह मतभेद अक्सर व्यक्तिगत गुटबाजी का रूप ले लेते हैं, जिससे पार्टी की एकजुटता को भारी क्षति पहुँचती है। इस तरह के आंतरिक संघर्षों का सार्वजनिक होना पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाता है और मतदाताओं के बीच अविश्वास पैदा कर सकता है। कांग्रेस के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे आंतरिक मतभेदों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करें और सामूहिक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें ताकि वे एकजुट होकर काम कर सकें। इसमें कोई संदेह नहीं कि राहुल गांधी ने कांग्रेस को पुनर्जीवित करने और आगे बढ़ाने के लिए अपनी पूरी क्षमता के साथ अपना सर्वोत्तम योगदान दिया है। भारत जोड़ो यात्रा जैसे अभियानों के माध्यम से उन्होंने न केवल पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरा, बल्कि जनता के बीच सीधे पहुँच बनाकर खुद को एक जन नायक के रूप में भी स्थापित किया है। राहुल गांधी का संघर्ष और उनकी दृढ़ता कई मौकों पर पार्टी के लिए संबल बनी है। परंतु, राजनीति निरंतर परिवर्तन की मांग करती है। आज समय की पुकार है कि मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ नेता, जिन्होंने संकट के समय पार्टी की कमान संभाली, उन्हें अब पूरे मान-सम्मान के साथ पद से विदा कर संगठन में नई ऊर्जा का संचार किया जाए। कांग्रेस के लिए अब केवल चेहरों का बदलाव पर्याप्त नहीं है; उसे अपने सांगठनिक ढांचे में आमूल-चूल परिवर्तन करने होंगे। पार्टी को अब कागजी रणनीतियों से बाहर निकलकर बूथ स्तर पर अपने तंत्र को सबसे अधिक मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। जब तक ग्रासरूट स्तर पर कार्यकर्ता सक्रिय और सशक्त नहीं होगा, तब तक राष्ट्रीय स्तर पर पुनरुद्धार की कल्पना करना कठिन है।

एमबीएमसी चुनावः नामांकन के आखिरी दिन प्रत्याशियों में दिखी आपाधापी

गठबंधन ना होने के बावजूद दलों के बीच समझदारी के संकेत, 33 सीटिंग नगरसेवकों के पत्ते कट

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा-भायंदरः आगामी मीरा-भायंदर महानगरपालिका (एमबीएमसी) चुनावों के नामांकन भरने के आखरी दिन उम्मीदवारों के बीच बहुत ही आपाधापी दिखाई दी. उम्मीदवारों को एनओसी फॉर्म और AB फॉर्म के लिए इधर उधर भागते देखा गया. वार्डों से अधिकृत नामांकन दाखल करने की होड़ लगी हुई थी. पार्टी की तरफ से उम्मीद लगाए बैठे लोगों ने निराशा हाथ लगते ही अपक्ष फॉर्म भर कर चले आए. जिसके बाद राजनीतिक हलकों में चर्चाओं को गति मिली है। नामांकन भरने के बाद कॉंग्रेस उम्मीदवार जिन्होंने वार्ड नंबर 13 से अपना नामांकन भरा है रवि खरात ने कहा, 'मैंने बुनियादी सुविधाओं–जैसे पायाभूत ढांचा, स्वच्छता, जलापूर्ति, सड़कें तथा युवा और महिला सशक्तिकरण–के लिए निरंतर संघर्ष किया है। जनता का विश्वास निश्चित रूप से जीत में बदलेगा।'

उम्मीदवारों की संख्या और सीटों पर रणनीति

बीजेपी ने कुल 95 में से 87 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) ने 81 उम्मीदवारों को टिकट दिया है। दोनों ही दलों ने कांग्रेस के मजबूत माने जाने वाले वार्ड क्रमांक 9 और 22 में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं। इसके अलावा, शिंदे गुट ने वार्ड 8 में दो सीटों पर और वार्ड 21 में पूरा पैनल न उतारते हुए कांग्रेस को छुपा समर्थन दिया है। एक समय कांग्रेस और अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का गढ़ रहे क्षेत्रों में इस बार दोनों दलों की ओर से अपेक्षाकृत कम उम्मीदवार मैदान में हैं।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा, 'हमने दो वार्ड एनसीपी (एपी) के लिए छोड़े हैं। हमारा आरपीआई (ए) और पीआरपी के साथ गठबंधन है, हालांकि उन दोनों ही पार्टियों को सीटें नहीं दी गई है।'

सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस और शिंदे गुट के बीच औपचारिक गठबंधन नहीं है, लेकिन दोनों दलों में अपने-अपने मजबूत क्षेत्रों में उम्मीदवार न उतारने को लेकर आपसी समझ बनी हुई है।

प्रमुख नामांकन

वार्ड 13 से शिवसेना (शिंदे गुट) ने अधिवक्ता श्याम सहारे, निशा विक्रम प्रताप सिंह (नेता विक्रम प्रताप सिंह की पत्नी), पल्लवी म्हात्रे और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के भतीजे महेश शिंदे को मैदान में उतारा है। वार्ड 22 से पूर्व विधायक मुझफ्फर हुसैन की पुत्री सैयद आफरीन मुझफ्फर हुसैन ने नामांकन दाखल किया। बीजेपी की ओर से वार्ड 12 से पूर्व महापौर डिंपल मेहता, पूर्व उपमहापौर हसमुख गहलोत और पूर्व नगरसेविका स्नेहा पांडे ने नामांकन भरा है।

अन्य दलों के उम्मीदवार

वार्ड 19 से कांग्रेस के टैरन मेंडोसा (पूर्व नेता गिल्बर्ट मेंडोसा के पौत्र), रुबीना फिरोज और अनिल सावंत चुनाव मैदान में हैं।

वार्ड 9 से आम आदमी पार्टी के सैयद जीशान हैदर, एनसीपी (शरद पवार गुट) के गुलाम नबी फारूकी, कांग्रेस के जय सिंह ठाकुर और अधिवक्ता सना देशमुख ने नामांकन दाखल किया है।

सीपीआई (एम) ने वार्ड 22(डी) से एकमात्र उम्मीदवार सादिक बाशा को उतारा है।

निर्दलीय उम्मीदवार और अंतर्कलह

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता प्रकाश नागणे ने वार्ड 8 से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखल किया है। वहीं कांग्रेस नेता अधिवक्ता शुशन शेट्टी ने वार्ड 10(डी) से निर्दलीय पर्चा भरा है। वार्ड 22 से अली ग़ज़नवी ने वंचित बहुजन आघाड़ी के टिकट पर नामांकन किया है। बीजेपी के अधिवक्ता राजकुमार मिश्रा ने वार्ड 3 से निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इसके अलावा, शिवसेना (शिंदे गुट) के सलमान हाशमी और कांग्रेस नेता सलीम शेख की पत्नी आफरीन शेख को पार्टी टिकट न मिलने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरना पड़ा है। वो भी वार्ड नंबर 9 से चुनाव मैदान में हैं. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ते निर्दलीय और रणनीतिक नामांकन एमबीएमसी चुनावों से पहले दलों के भीतर की चुनौतियों और कड़ी होती प्रतिस्पर्धा को दर्शाते हैं.

नामांकन दाखिल करने के कुछ ही मिनटों बाद उम्मीदवार का निधन, मीरा भायंदर में शोक की लहर

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा भायंदरः मीरा भायंदर महानगरपालिका चुनावों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के कुछ ही मिनटों बाद एक उम्मीदवार की हृदयाघात से मौत हो जाने की दुखद घटना मंगलवार को सामने आई। इस अप्रत्याशित घटना से पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई है और नागरिकों में गहरी संवेदना देखी जा रही है।

मृतक उम्मीदवार की पहचान 66 वर्षीय जावेद पठाण के रूप में हुई है, जो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(अजित पवार गुट) की ओर से वार्ड क्रमांक 22 से चुनाव मैदान में उतरे थे। मंगलवार दोपहर मीरा रोड स्थित नया नगर क्षेत्र के निर्वाचन कार्यालय में उन्होंने अपने समर्थकों के साथ नामांकन पत्र दाखिल किया। कार्यालय से बाहर निकलते ही उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने उन्हें तत्काल पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन इलाज शुरू होने से पहले ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से उनके समर्थकों और शहर के राजनीतिक गलियारों में शोक व्यक्त किया जा रहा है।

इसी बीच, भारतीय जनता पार्टी की पदाधिकारी वनिता बने की भी तबीयत टिकट न मिलने के बाद बिगड़ गई। उन्हें हृदयाघात आया, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

गौरतलब है कि मीरा भायंदर महानगरपालिका चुनाव के लिए मंगलवार नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन था। नगर में 15 जनवरी को मतदान होगा, जबकि 16 जनवरी को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे।

JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Non Goverment Organization
Reg. No. F-75914

NITI AYOG 12A,80G & CSR Registered

DONATE FOR POOR AND UNDERPRIVILEGED

Contact us 9930026943

SBI BANK
JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Account No:.39171751769
IFS Code : SBIN0012959
www.jansevasocialfoundation.com

701/ C Wing crystal Plaza opposite infinity mall Andheri West

SIPPIN' MADE SWEETER
SODA CENTRAL House of Mocktails
Follow Us On Instagram & Facebook

D-11,Green Park, Opp. Millat Garden Gate, Off New Link Road, Andheri West. 97300 74150

M B®
MEN IN BLACK
GLOBAL PROTECTION SERVICES
Contact: +91 93247 65876

'जो होना होता है, वही होता है'

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' 2025 की सबसे बड़ी हिट बनकर उभरी है। रणवीर सिंह की इस फिल्म के गाने भी जबरदस्त लोकप्रिय हो रहे हैं, खासतौर पर 'शरारत' सॉन्ग, जिसे लोग साल का बेस्ट डांस नंबर बता रहे हैं। इस गाने में आयशा खान और क्रिस्टल डिसूजा नजर आई हैं। हालांकि चर्चा थी कि यह गाना पहले तमन्ना भाटिया करने वाली थीं। इस पर क्रिस्टल ने बातचीत में कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी और वह इसे किस्मत से जोड़ती हैं। उनके मुताबिक, 'जो होना होता है, वही होता है।' क्रिस्टल ने तमन्ना की तारीफ करते हुए कहा कि वह बेहद टैलेंटेड और खूबसूरत हैं और किसी भी गाने में अपना अलग जादू बिखेर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह गाना उनके और आयशा के हिस्से में आया, लेकिन इससे तमन्ना की काबिलियत कम नहीं होती। क्रिस्टल ने महिलाओं के एक-दूसरे को सपोर्ट करने पर भी जोर दिया।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 की सेमीफाइनलिस्ट टीमों को लेकर हरभजन सिंह की भविष्यवाणी

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के आयोजन में अभी समय बाकी है, लेकिन उससे पहले ही पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने इस बड़े टूर्नामेंट को लेकर अपनी भविष्यवाणी कर दी है। फरवरी 2026 में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस 20 टीमों के टूर्नामेंट को लेकर भज्जी ने चार संभावित सेमीफाइनलिस्ट टीमों के नाम बताए हैं। खास बात यह है कि उनकी सूची में डिफेंडिंग चैंपियन भारत के साथ एक ऐसी टीम भी शामिल है, जिसने सबको चौंका दिया है। हरभजन ने पाकिस्तान को बाहर रखते हुए अफगानिस्तान को सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली टीमों में चुना है। हरभजन सिंह की इस भविष्यवाणी में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान को सेमीफाइनलिस्ट बताया गया है। पाकिस्तान को बाहर करने और अफगानिस्तान को आगे रखने का फैसला कई लोगों को हैरान कर सकता है, क्योंकि आईसीसी टी20 रैंकिंग में पाकिस्तान सातवें जबकि अफगानिस्तान दसवें स्थान पर है। हालांकि, हाल के वर्षों में अफगानिस्तान ने आईसीसी टूर्नामेंट्स में अपने प्रदर्शन से यह साबित किया है कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में किसी भी बड़ी टीम को चुनौती दे सकता है। मजबूत स्पिन अटैक और निडर क्रिकेट उसकी पहचान बन चुकी है।

एक मीडिया से बातचीत में हरभजन सिंह ने भारत को लेकर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया के पास टी20 वर्ल्ड कप जीतने का शानदार मौका है, क्योंकि वह घरेलू परिस्थितियों में खेलेगी और बाकी टीमों की तुलना में हालात को बेहतर तरीके से समझती है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि वर्ल्ड कप का दबाव हमेशा एक अलग चुनौती होता है और इसे संभालना सबसे अहम पहलू होगा। अगर भारतीय टीम इस दबाव को सही ढंग से झेल लेती है, तो उसका खिताब जीतना पूरी तरह संभव है।

अंधेरी में कांग्रेस का परिवारवाद प्रयोग

पत्नी और बेटे को टिकट देकर मोहसिन हैदर की दोहरी परीक्षा

मुंबई। महानगरपालिका चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने अंधेरी विधानसभा क्षेत्र से ऐसा सियासी दांव खेला है, जिसने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। पार्टी ने वार्ड क्रमांक 66 से वरिष्ठ नेता मोहसिन हैदर की पत्नी मैहर मोहसिन हैदर को, जबकि वार्ड 65 से उनके बेटे सुफियान हैदर को उम्मीदवार बनाकर साफ कर दिया है कि इस बार कांग्रेस ने संगठन से ज्यादा भरोसा 'परिवार' पर जताया है। मोहसिन हैदर को अंधेरी की राजनीति का धुरंधर नेता माना जाता है। लंबे समय से क्षेत्र में उनकी पकड़, संगठन पर प्रभाव और चुनावी गणित को साधने की क्षमता से कांग्रेस इनकार नहीं करती। यही कारण है कि इस बार उन्होंने खुद मैदान में उतरने की बजाय परिवार को आगे कर दोहरी रणनीति अपनाई है। एक तरफ पत्नी मैहर हैदर को चुनावी समर में उतारकर पति के रूप में अपना राजनीतिक धर्म निभाने की जिम्मेदारी है, तो दूसरी ओर बेटे सुफियान हैदर को टिकट दिलाकर पिता होने का फर्ज अदा किया गया है। हालांकि, यह फैसला जितना रणनीतिक है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। वार्ड 66 में कांग्रेस की स्थिति मजबूत मानी जा रही है और यहां मैहर हैदर की

राह अपेक्षाकृत आसान बताई जा रही है। इसके उलट वार्ड 65 में सुफियान हैदर के लिए मुकाबला सीधा और कठिन है, जहां उनकी व्यक्तिगत राजनीतिक पकड़ और जनसंपर्क की असली परीक्षा होगी। यह चुनाव तय करेगा कि वे केवल 'नेता के बेटे' के तौर पर देखे जाएंगे या खुद की पहचान बनाने में सफल होते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि एक ही परिवार को दो-दो टिकट देने के फैसले को कांग्रेस किस तरह सामाजिक संतुलन के साथ साध पाती है। पार्टी के भीतर और बाहर, परिवारवाद को लेकर पहले से ही सवाल उठते रहे हैं।

ऐसे में स्थानीय कार्यकर्ताओं और समाज के विभिन्न वर्गों की नाराजगी को दूर करना आसान नहीं होगा। क्या मोहसिन हैदर अपनी राजनीतिक समझ से इस असंतोष को संभाल पाएंगे, या यह फैमिली कार्ड कांग्रेस के लिए उल्टा पड़ जाएगा–इसका जवाब चुनावी नतीजे ही देंगे। कुल मिलाकर, अंधेरी में कांग्रेस ने इस बार व्यक्तित्व और परिवार के सहारे सियासी बाजी खेलने की कोशिश की है। अब देखना यह है कि मोहसिन हैदर पति और पिता–दोनों भूमिकाओं की इस राजनीतिक जिम्मेदारी को किस तरह पार करते हैं और क्या वे दोनों सीटों पर अपने परिवार को जनता का समर्थन दिला पाते हैं या नहीं।

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर सेंट्रल रेलवे द्वारा चार विशेष उपनगरीय सेवाएं चलाई जाएंगी

मुंबई : नव वर्ष की पूर्व संध्या मनाने वाले यात्रियों की सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सेंट्रल रेलवे 31 दिसंबर, 2025 और 1 जनवरी, 2026 की मध्यरात्रि को चार विशेष उपनगरीय ट्रेन सेवाएं संचालित करेगा। ये विशेष सेवाएं मेन लाइन और हार्बर लाइन दोनों पर संचालित होंगी, जो छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को कल्याण और पनवेल से जोड़ेंगी। सेंट्रल रेलवे के अनुसार, 1 जनवरी, 2026 की सुबह के शुरुआती घंटों में मेन लाइन पर दो विशेष सेवाएं और हार्बर लाइन पर दो विशेष सेवाएं संचालित की जाएंगी। मुख्य लाइन पर, नव वर्ष की पूर्व संध्या पर चलने वाली विशेष ट्रेन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 1:30 बजे प्रस्थान करेगी और कल्याण 3:00 बजे पहुंचेगी। वापसी में, एक अन्य विशेष सेवा कल्याण से 1:30 बजे प्रस्थान करेगी और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस 3:00 बजे पहुंचेगी। हार्बर लाइन पर, विशेष उपनगरीय सेवा छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 1:30 बजे प्रस्थान करेगी और 2:50 बजे पनवेल पहुंचेगी। पनवेल से वापसी सेवा भी 1:30 बजे प्रस्थान करेगी और 2:50 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि नव वर्ष की पूर्व संध्या पर यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए अतिरिक्त सेवाएं चलाई जा रही हैं, खासकर मुंबई और उसके आसपास के उपनगरीय क्षेत्रों में नव वर्ष समारोह में शामिल होने वालों के लिए। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को देर रात सुरक्षित, विश्वसनीय और सुविधाजनक यात्रा विकल्प उपलब्ध कराना है। सेंट्रल रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करें और त्योहारों के दौरान सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए रेलवे कर्मचारियों के साथ सहयोग करें। ये सभी विशेष ट्रेनें सभी स्टेशनों पर रुकेंगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इस बात का ध्यान रखें, इन सेवाओं का लाभ उठाएं और सुरक्षित यात्रा करें।

यूपी में हिंदु रक्षा दल ने घर घर जाकर बांटी तलवारे, 10 लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि पुलिस ने उत्तर प्रदेश के ग़ाज़ियाबाद में एक रैली के दौरान कथित तौर पर तलवार बांटने के लिए एक हिंदू राष्ट्रवादी समूह के 10 सदस्यों को गिरफ़्तार किया है।

ग़ाज़ियाबाद जिले के शालीमार गार्डन इलाक़े में हिंदू रक्षा दल के सदस्यों को तलवारें दिखाते हुए और तलवारें बांटते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो प्रसारित किए जाने के बाद गिरफ्तारियां हुईं।

सहायक पुलिस आयुक्त अतुल कुमार सिंह ने कहा कि 16 पहचाने गए व्यक्तियों और 25 से 30 अज्ञात लोगों के बीच पहली सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई है।

हिंदुस्तान टाइम्स के अनुसार, सिंह ने कहा कि हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी के नाम से भी जाने जाने वाले भूपेंद्र चौधरी को इस मामले में नामज़द बनाया गया है और वह वर्तमान में फ़रार है।

एक वीडियो में, चौधरी को यह कहते हुए सुना गया था, 'जिस तरह से बांग्लादेश में हमारे हिंदू भाइयों की हत्या की गई है ... हिंदुओं को अपना बचाव करने के लिए तलवारें रखनी चाहिए।'

'हिंदू रक्षा दल हर एक जिहादी को अपनी भाषा में जवाब देगा,' उन्होंने कहा। चौधरी एक फैक्ट्री वर्कर दीपू चंद्र दास की हत्या का ज़िक्र कर रहे थे, जिसे 18 दिसंबर को बांग्लादेश के मायमेनसिंह जिले में भीड़ ने ईशनिंदा के आरोप के बाद पीट-पीटकर मार डाला था।

पुलिस ने कहा कि समूह के सदस्यों ने हथियारों के साथ क्षेत्र में मार्च करते हुए सांप्रदायिक नारे भी लगाए।

पुलिस ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया कि यह मामला भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत दर्ज किया गया है, जो दंगा, घातक हथियारों से दंगा और ग़लत तरीक़े से क़ैद करने से संबंधित है, साथ ही आपराधिक क़ानून संशोधन अधिनियम के प्रावधानों के साथ।

पुलिस उपायुक्त निमिश पाटिल ने कहा कि जांच आगे बढ़ने पर और आरोप जोड़े जा सकते हैं और शेष संदिग्धों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

'पुलिस किसी भी संगठन को सद्भाव और क़ानून और व्यवस्था को परेशान करने की अनुमति नहीं देगी,' उन्होंने कहा।

भाजपा ने बेटी को टिकट नकारा, पूर्व महिला जिलाध्यक्ष को पड़ा दिल का दौरा

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा भायंदरः मीरा भायंदर महानगर पालिका चुनाव से पहले भाजपा में उम्मीदवार चयन को लेकर बड़ा बवाल खड़ा हो गया है। पार्टी द्वारा बेटी को टिकट न दिए जाने के सदमे से भाजपा की पूर्व महिला जिला अध्यक्ष वनिता बने को दिल का दौरा पड़ने की गंभीर घटना सामने आई है। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।

महानगर पालिका चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का मंगलवार को अंतिम दिन था। भायंदर क्षेत्र से वनिता बने की बेटी श्रद्धा बने को भाजपा से टिकट मिलने की प्रबल संभावना जताई जा रही थी। हालांकि अंतिम उम्मीदवार सूची में श्रद्धा बने का नाम नहीं होने की जानकारी मिलते ही वनिता बने को गहरा मानसिक आघात पहुंचा। इसके बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और सीने में दर्द की शिकायत शुरू हो गई।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिजनों और समर्थकों ने उन्हें तुरंत मीरा रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि उनकी स्थिति नियंत्रण में है, हालांकि एहतियात के तौर पर उन्हें निगरानी में रखा गया है।

वनिता बने भाजपा महिला मोर्चा की एक अनुभवी और निष्ठावान नेता मानी जाती हैं। उन्होंने वर्षों तक पार्टी संगठन के लिए सक्रिय रूप से काम किया है और कई आंदोलनों व जनहित के मुद्दों पर संघर्ष किया है। इसके बावजूद बेटी को अवसर न मिलने से वे स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रही हैं। इस घटना के बाद भाजपा के भीतर असंतोष खुलकर सामने आ गया है। चुनाव के ऐन मौके पर यह मामला पार्टी के लिए चुनौती बनता दिख रहा है। वनिता बने के समर्थकों में तीव्र नाराज़गी है और इस पूरे घटनाक्रम का चुनावी माहौल पर क्या असर पड़ेगा, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

अंतिम दिन उम्मीदवारों की दलबाजीः बी-फॉर्म ने बदल दी बड़नेरा की चुनावी तस्वीर

- **प्रभाग 21 और 22 में युवा स्वाभिमान पार्टी ने भाजपा और शिंदे गुट के कई उम्मीदवार अपने पक्ष में किया**
- **2 जनवरी को नामांकन की अंतिम तारीख पर स्पष्ट होगा कौन टिकेगा और कौन पीछे हटेगा**
- **उम्मीदवारों का शक्ति प्रदर्शन के साथ नामांकन पत्र दाखिल**

अमरावती। बड़नेरा ज़ोन क्रमांक 4 के महापालिका क्षेत्र में प्रभाग 21 और 22 में नामांकन का अंतिम दिन राजनीतिक गतिविधियों से गर्म रहा। लगभग सभी प्रमुख दलों के उम्मीदवारों ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) और युवा स्वाभिमान पार्टी के बीच संभावित गठबंधन का पेच अंतिम क्षण तक बना रहा, जिससे उम्मीदवारों की भागदौड़ और भी तेज हो गई। विशेष रूप से प्रभाग 21 और 22 में टिकट न मिलने के कारण कई उम्मीदवारों ने विरोध कर रहे दल से समझौता कर बी-फॉर्म लेकर अपनी उम्मीदवारी पक्की की। इस प्रक्रिया में कुछ भाजपा उम्मीदवार सीधे युवा स्वाभिमान पार्टी में शामिल हो गए। सिंधी कैंप इलाके में चौंकाने वाली घटना हुई, जब चाची की युवा स्वाभिमान पार्टी का टिकट काटकर, भतीजे ने अपनी पत्नी के लिए भाजपा टिकट न मिलने पर युवा स्वाभिमान पार्टी का बी-फॉर्म हासिल किया। इसके अलावा कुछ भाजपा के निष्ठावान पदाधिकारी सीधे शिवसेना शिंदे गुट की टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे, जबकि शिंदे गुट के टिकट न मिलने पर कुछ उम्मीदवारों ने युवा स्वाभिमान पार्टी का

विकल्प अपनाया। युवा स्वाभिमान पार्टी ने भाजपा के कई इच्छुक उम्मीदवारों को अपने पक्ष में शामिल कर सफलता पाई, और शहर में चर्चा होने लगी कि ये उम्मीदवार पहले से संपर्क में थे या यह अंतिम क्षण की रणनीति थी। इसका असली फायदा किस पार्टी को होगा, यह 16 जनवरी को स्पष्ट होगा। वहीं, वंचित बहुजन आघाड़ी ने भी अपने उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारे। अपक्ष उम्मीदवारों ने भी चुनाव में हलचल पैदा की। पूर्व नगरसेवक प्रकाश बनसोड ने 29 दिसंबर को बड़े पैमाने पर शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपना नामांकन दाखिल किया। अजय भालेराव भी अपक्ष के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, वहीं कई अन्य अपक्ष उम्मीदवारों ने भी अपना नामांकन दाखिल किया। कुल मिलाकर, प्रभाग 21 और 22 में उम्मीदवारों की संख्या बहुत अधिक है। असली परीक्षा अब आने वाले कुछ दिनों में होगी। कौन उम्मीदवार अंतिम क्षण तक टिकेगा और कौन पीछे हटेगा, इसका स्पष्ट चित्र 2 जनवरी को नामांकन की अंतिम तारीख पर सामने आएगा। इसके बाद ही बड़नेरा की राजनीतिक जंग की दिशा तय होगी।

प्रभागवार उम्मीदवार सूची

प्रभाग 21 (जुनी बस्ती, बड़नेरा)

युवा स्वाभिमान पार्टीः प्रिया घनश्याम डकरे, नाना आमले, किरण वसंतराव अंबाडकर, सौ. उसरे,

भाजपाः गंगा अंभोरे, छाया अंबाडकर, गौरव बांते

कांग्रेसः रुमाना अंजुम सादिक अली, समिउल्लाह खान रहमत खान, अब्दुल शफीक शेख, अब्दुल रफीक शेख

शिवसेना (शिंदे गुट): प्रीतीराज बलान, योगेश निमकर, सूरज सुने, आशीष दारोकार

एमआईएमः मीरा भागवत कांबले, नुजहत परवीन शाकिर हुसैन, नजीब खान करीम खान, मो. जाकीर जमाल मो. अब्दुल जलील

एनसीपी (अजित पवार गुट): मेघा शरद ठोसरे, जयश्री मोरे, अजय बेहरे, योगेश कावरे

शिवसेना (उद्धव गुट): सौ.कैथवास

प्रभाग 22 (नई बस्ती, बड़नेरा)

युवा स्वाभिमान पार्टीः रजनी डोंगरे, अजय जयस्वाल, गौरी शैलेंद्र मेघवानी, किशोर जाधव

भाजपाः रोशनी वाकड़े, वीरेंद्र ढोबले, बरखा शर्मा, नरेंद्र धामाई

कांग्रेस - शिवसेना (उद्धव गुट): कांचन बळीराम ग्रेसपुंजे, संजय नारायण बोबडे, अर्चना बंडू धामणे, चैतन्य विकास काले

शिवसेना (शिंदे गुट): मनाली प्रकाश पहुरकर, ललित राजूभाऊ झंझाड, तेजस्विनी मनोज सरोदे, संजय कुमार कटारिया

एमआईएमः वैशाली देवदत्त गेडाम, हुमा आमिर खान, मो. रिजवान अ. रहिम

एनसीपी (अजित पवार गुट): मौसमी वैभव नंदागवली, अ. माजीद शेख मेहमूद, इशरत बानो मन्नान खान, अकरम देशमुख

बसपाः सतीश रामदास सहारे, किरण विलास साखरे, मुमताज लईक अहमद, मो. जाफर

वंचित बहुजन आघाड़ीः उम्मीदवार चुनावी मैदान में

विजयस्तंभ अभिवादन समारोह पर CCTV की कड़ी निगरानी

ग्रामीण पुलिस की ओर से 5,000 जवानों का बंदोबस्त

मुन्ना मुजावर

पुणेः 'कोरेगांव भीमा विजयस्तंभ अभिवादन समारोह के दौरान, पुणे रूरल पुलिस पांच हज़ार पुलिसवाले तैनात करेगी। अभिवादन समारोह के दौरान भीड़ पर CCTV कैमरे नज़र रखेंगे,' पुणे रूरल पुलिस सुपरिटेंडेंट संदीप सिंह गिल ने बताया।

'ग्रामीण पुलिस ने कोरेगांव भीमा विजयस्तंभ अभिवादन समारोह के लिए सिक्योरिटी इंतज़ाम की प्लानिंग कर ली है। गुरुवार (1 जनवरी) को अभिवादन समारोह में पूरे राज्य से अंबेडकर आंदोलन के फॉलोअर्स मौजूद रहेंगे। इसे देखते हुए, रूरल पुलिस पांच हज़ार पुलिसवाले तैनात करेगी। भीड़ की प्लानिंग करने, ट्रैफिक में बदलाव करने और फॉलोअर्स को कोई परेशानी न हो, इसका ध्यान रखा गया है,' सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस संदीप सिंह गिल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया।

'इस साल, अभिवादन समारोह में पिछले साल से ज़्यादा भीड़ होने की उम्मीद है। इसे ध्यान में रखते हुए, पुलिस ने सिक्योरिटी इंतज़ाम की प्लानिंग कर ली है। पार्किंग और ट्रैफिक में बदलाव की प्लानिंग कर ली गई है। फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस, नेशनल डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (NDRF), बम डिस्पोज़ल स्क्वॉड (BDDS), क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) तैनात की जाएंगी, उन्होंने कहा।

सीनियर पुलिस ऑफिसर - 33
पुलिस ऑफिसर - 332
पुलिस कर्मी - 3,100
होम गार्ड्समैन - 1,500
स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स - चार टीमें

फॉलोअर्स के लिए पार्किंग

राज्य और देश भर से फॉलोअर प्राइवेट कारों से कोरेगांव भीमा आएंगे। इस सिलसिले में पुलिस ने पार्किंग का इंतज़ाम किया है। वक्फ बोर्ड पार्किंग, टोरंटो पार्किंग और इनामदार पार्किंग में 400 बसों को पार्क करने के लिए जगह दी गई है। पुलिस पार्किंग एरिया में सिक्योरिटी बनाए रखेगी।

फॉलोअर्स के लिए पुलिस हेल्प सेंटर

'कोरेगांव भीमा एरिया में भीड़ को प्लान करने के लिए ड्रोन कैमरों का इस्तेमाल किया जाएगा। CCTV कैमरे भीड़ पर नज़र रखेंगे। CCTV कैमरों को पुलिस कंट्रोल रूम से कनेक्ट किया गया है। कंट्रोल रूम भीड़ की प्लानिंग करेगा और ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों और स्टाफ को निर्देश देगा। फॉलोअर्स के लिए अलग-अलग जगहों पर पुलिस हेल्प सेंटर बनाए जाएंगे। ई सिस्टम के ज़रिए निर्देश दिए जाएंगे। भीड़ पर नज़र रखने के लिए नगर रोड और पेरने फाटा इलाकों में वॉच टावर लगाए गए हैं,' सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस संदीप सिंह गिल ने कहा।

हिम्मत की मिसालः ग्रामीण पुलिस ने चोरों के पीछे नदी में कूदकर दिखाई बहादुरी

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे पुलिस ने पानशेत रोड पर खानपुर में एक सुनार की दुकान में डकैती डालकर 1.25 करोड़ रुपये के गहने लूटने वाले चोरों को गिरफ्तार किया है। रूरल पुलिस ने 48 घंटे के अंदर केस सुलझा लिया। चोरों के पास से 70 लाख रुपये के सोने के गहने बरामद किए गए। गिरफ्तार चोरों के नाम अंकुश दगडू कचरे (उम्र 20)

और गणेश भांबू कचरे (उम्र 23, निवासी कटराज) हैं। पुणे रूरल पुलिस सुपरिटेंडेंट संदीप सिंह गिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपियों के साथ आए तीन नाबालिग साथियों को हिरासत में लिया गया है। 26 दिसंबर को पानशेत रोड पर खानपुर गांव में एक सुनार की दुकान में दिनदहाड़े डकैती हुई थी। चोरों ने दरांती और तलवार का डर दिखाकर सामान लूटा था। घटना की जानकारी मिलते ही पुणे रूरल पुलिस की इन्वेस्टिगेशन टीम ने जांच शुरू कर दी। चोरों को पकड़ने के लिए हवेली और ग्राम्यन पुलिस की छह टीमें बनाई गईं। पुलिस ने CCTV फुटेज चेक की थी। CCTV फुटेज में आरोपियों की पहचान हो गई थी। जांच में पता चला कि भागे हुए चोर पानशेत इलाके से दोपहिया वाहन पर राजगढ़ (वेल्हे) तालुका गए थे। इसके बाद पुलिस ने चोरों का पीछा करना शुरू कर दिया। जैसे ही उन्हें लगा कि पुलिस उनके पीछे है, आरोपी कचरे और उसके नाबालिग साथी भाग गए। उन्होंने दोपहिया वाहन सड़क पर छोड़ दिया और चोर नदी में कूद गए। इसके बाद पुलिस कर्मी गणेश धनवे और सागर नामदास नदी में कूद गए। धनवे नदी के दूसरे किनारे पर जाकर रुक गए। चोर अंकुश कचरे तैरते-तैरते थक गया। कचरे को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद पुलिस ने कचरे के साथियों को हिरासत में ले लिया। आरोपियों के पास से चाकू, तलवार, दोपहिया वाहन और 70 लाख 32 हजार रुपये के गहने जब्त किए गए। पुलिस सुपरिटेंडेंट संदीप सिंह गिल के गाइडेंस में पुलिस इंस्पेक्टर अविनाश शिलिमकर, हवेली पुलिस स्टेशन की सीनियर इंस्पेक्टर वैशाली पाटिल, असिस्टेंट इंस्पेक्टर दत्ताजीराव मोहिते, किशोर शेवटे, महादेव शेलार, सब-इंस्पेक्टर हनुमंतर पासलकर, शीतल थेम्बे, संजय सुतानासे, सुभाष गिरे, दिलीप शिंदे, रामदास बाबर, अमोल शेडगे, मंगेश थिगले, मंगेश भगत, तुषार भोइते, गणेश धनवे, सागर नामदास और टीम ने यह कारनामा किया।

पुलिस के काम की तारीफः सुनार की दुकान लूटकर भागा चोर वेल्हे तालुका में नदी में कूद गया। उसके पीछे पुलिस वाले गणेश धनवे और सागर नामदास भी पानी में कूद गए। पुलिस सुपरिटेंडेंट संदीप सिंह गिल ने पुलिस के काम की तारीफ की। अंकुश कचरे के खिलाफ पहले से ही तीन केस दर्ज हैं और क्या कचरे और उसके नाबालिग साथियों ने और भी कोई क्राइम किया है? यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने लूटपाट करने से पहले सुनार की दुकान का मुआयना किया था।

अजित पवार की गोपनीयता धरी रह गई, पुणेकरों के सामने आया पार्टी का असली चेहरा; आंदेकर की उम्मीदवारी घोषित, वकील की एंट्री से सियासी भूचाल

मुन्ना मुजावर

पुणेः आपराधिक जगत के अंदेकर गिरोह के सरगना बंदू अंदेकर की उम्मीदवारी ने राजनीतिक गलियारों में हलचल

मचा दी है। अंदेकर परिवार द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद, इस बात पर खूब बहस और चर्चा हुई कि वे किस पार्टी से चुनाव लड़ेंगे। आखिरकार, आज, नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन, अजीत पवार की राष्ट्रवादी पार्टी ने अंदेकर परिवार की उम्मीदवारी की घोषणा कर दी है। अजीत पवार की पार्टी ने लक्ष्मी अंदेकर और सोनाली अंदेकर को नामांकन पत्र सौंप दिए हैं।

अपने पोते की हत्या के आरोपी बंदू अंदेकर ने कुछ दिन पहले अदालत में एक आवेदन दायर किया था। वह अजीत पवार समूह से चुनाव लड़ना चाहते थे और उन्होंने अदालत से आवेदन दायर करने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। अदालत ने स्पष्ट किया, 'चुनाव लड़ना नागरिकों का मौलिक अधिकार है और किसी को भी ऐसा करने से रोका नहीं जा सकता।' इसके बाद अदालत ने अंदेकर को चुनाव लड़ने की अनुमति दे दी।

एबी फॉर्म अंदेकर के वकीलों के माध्यम से भरा गया था।

बंदू अंदेकर आज राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। गौरतलब है कि अदालत ने फिलहाल हिरासत में चल रहे अंदेकर को कुछ शर्तों के साथ नामांकन दाखिल करने की अनुमति दी थी। विशेष अदालत की अनुमति के बाद अंदेकर परिवार के तीन सदस्यों को भवानी पेठ क्षेत्रीय कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल करने की इजाजत दी गई थी। लक्ष्मी अंदेकर, सोनाली अंदेकर और बंदू अंदेकर ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। आखिरकार, आज यानी अंतिम दिन, अंदेकर के वकीलों के माध्यम से नामांकन पत्र भरा गया। नामांकन पत्र पुणे के भवानी पेठ क्षेत्रीय कार्यालय में दाखिल किए गए हैं।

एबी फॉर्म अंदेकर के वकीलों के माध्यम से भरा गया था।

बंदू अंदेकर आज राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। गौरतलब है कि अदालत ने फिलहाल हिरासत में चल रहे अंदेकर को कुछ शर्तों के साथ नामांकन दाखिल करने की अनुमति दी थी। विशेष अदालत की अनुमति के बाद अंदेकर परिवार के तीन सदस्यों को भवानी पेठ क्षेत्रीय कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल करने की इजाजत दी गई थी। लक्ष्मी अंदेकर, सोनाली अंदेकर और बंदू अंदेकर ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। आखिरकार, आज यानी अंतिम दिन, अंदेकर के वकीलों के माध्यम से नामांकन पत्र भरा गया। नामांकन पत्र पुणे के भवानी पेठ क्षेत्रीय कार्यालय में दाखिल किए गए हैं।

अंदेकर परिवार की आपराधिक पृष्ठभूमि के चलते अजीत पवार समूह ने इस नामांकन को लेकर असाधारण गोपनीयता बरती। बिना घोषणा सीधे आवेदन दाखिल कर विपक्ष की रणनीति कमजोर करने की कोशिश की गई। मगर खबर लीक होते ही सत्ताधारी दल की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। अपराधी छवि वाले व्यक्ति को संरक्षण देना क्या राजनीतिक मजबूरी है या सत्ता की कीमत? पुणेकर जनता के सामने अब अजीत पवार की पार्टी का असली चेहरा उजागर हो चुका है–और इसी के साथ एक नए बड़े विवाद के संकेत भी मिल रहे हैं।

कोमकार की मां ने अंदेकर परिवार को उम्मीदवारी देने के खिलाफ चेतावनी दी है।

बंदू अंदेकर और उनके गिरोह ने कई लोगों के घर तबाह कर दिए हैं। बंदू अंदेकर की बेटी और आयुष कोमकर की मां ने चेतावनी दी थी कि अजीत पवार को अंदेकर परिवार को उम्मीदवार नहीं बनाना चाहिए, अन्यथा वह पार्टी कार्यालय के सामने आत्मदाह कर लेंगी।

मंदिर में क़रोड़ो का घोटाला! दानपेटी से नगदी और जेवरात गायब, आलिशान गाड़ियां भी लापता; पुजारी के आरोप ने मचाई खलबली

मुन्ना मुजावर

पुणेः लोनावला के प्रसिद्ध कार्ला गढ़ में स्थित ऐ एकवीरा देवी देवस्थान ट्रस्ट में करोड़ों रुपये के वित्तीय गबन का सनसनीखेज आरोप लगा है। देवी के पुजारी गणेश देशमुख ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस

में ट्रस्ट के अध्यक्ष दीपक हुलावाले पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए और देवस्थान के प्रबंधन पर सवाल उठाए। देशमुख के दावे के अनुसार, भक्तों द्वारा श्रद्धापूर्वक अर्पित किए गए सोने-चांदी के आभूषण और नकदी को अध्यक्ष और संबंधित प्रशासन द्वारा गबन कर लिया गया है और ट्रस्ट की संपत्ति का उपयोग निजी उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। पुजारी गणेश देशमुख ने आगे आरोप लगाया कि मंदिर में पारदर्शिता की भारी कमी है और अध्यक्ष ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है। विशेष रूप से, वीआईपी दर्शन के नाम पर भक्तों को लूटने के लिए फर्जी रसीदें छापी गईं और उनसे एकत्र किया गया पैसा ट्रस्ट के आधिकारिक बैंक खाते में जमा करने के बजाय आपस में छीन लिया गया। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मंदिर के स्वामित्व वाली महंगी कारें जैसे 'इनोवा' और 'फॉर्च्यूनर' मंदिर के कार्यों के बजाय व्यक्तिगत और राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल की जा रही हैं। इन सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए, पुजारी गणेश देशमुख ने सबूतों के साथ पुणे चैरिटेबल ट्रस्ट कमिश्नर के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने इस पूरे घोटाले की उच्च स्तरीय और गहन जांच की मांग की है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का अनुरोध किया है। इन आरोपों और प्रतिआरोपों ने माता एकवीरा देवी के लाखों भक्तों के बीच चिंता और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है।

गुंडगिरी खत्म करने की बात करने वाले अजित पवार पर हमला, राष्ट्रवादी ने पुणे में गुंड की पत्नी को बनाया उम्मीदवार

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने पुणे नगर निगम चुनाव में कुख्यात गैंगस्टर गजा मराणे की पत्नी को उम्मीदवार बनाया है। गजा मराणे फिलहाल एक मामले में जेल में है। उस पर कई तरह के अपराध दर्ज हैं। अब जब एनसीपी ने उसकी पत्नी को उम्मीदवार बनाया है, तो चुनाव प्रचार में उसकी भूमिका को लेकर गंभीर राजनीति की संभावना है। मुंबई समेत राज्य की 29 नगरपालिकाओं के चुनाव 15 जनवरी को होंगे। मतगणना और परिणाम अगले दिन यानी 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि आज है। इसी वजह से सभी पार्टियों के उम्मीदवारों की संख्या बढ़ गई है। इसी पृष्ठभूमि में अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने गैंगस्टर गजा मार्ने की पत्नी जयश्री मार्ने को उम्मीदवार बनाया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, जयश्री मार्ने वार्ड नंबर 10 से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की आधिकारिक उम्मीदवार होंगी। पार्टी ने उन्हें एबी फॉर्म भी दे दिया है। जयश्री मार्ने को राष्ट्रवादी पार्टी द्वारा नामांकित किए जाने से कई लोग आश्चर्यचकित हैं। गजा मार्ने फिलहाल कोथरूड में एक बाइक सवार की पिटाई के आरोप में जेल में हैं। यह बाइक सवार केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल के कार्यालय में काम करता था।

प्यार के इनकार से नाराज युवक का सनसनीखेज कृत्य, CCTV ने दिखाया पूरा सच; पुणे में मची खलबली

मुन्ना मुजावर

पुणेः प्रेम में ठुकराए जाने से क्रोधित एक युवक ने चौंकाने वाला कदम उठाया। 29 दिसंबर को तड़के करीब 2:15 बजे उसने एक रिक्शा और एक दोपहिया

वाहन में आग लगा दी। यह घटना पुणे के राहतानी इलाके में श्रीनगर स्वामी समर्थ कॉलोनी में घटी। आग में एक रिक्शा और चार दोपहिया वाहन जलकर राख हो गए, जिससे लगभग 3 लाख 15 हजार रुपये का नुकसान हुआ। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि युवक ने प्रेम में ठुकराए जाने के गुस्से में आकर यह कृत्य किया।

: जिस युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, उसका नाम 22 वर्षीय अभिषेक राजाराम श्रीनामे है। भगवान अशोक घनटे ने कालेवाड़ी पुलिस स्टेशन में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई है। भगवान घनटे रिक्शा चालक हैं और उन्होंने अपना रिक्शा और दोपहिया वाहन अपने घर के सामने खड़ा किया हुआ था। उनके भाइयों के दोपहिया वाहन भी वहीं खड़े थे। वहीं, आरोपी अभिषेक श्रीनामे ने उन पर शिकायतकर्ता के रिक्शा, दोपहिया वाहन और उनके भाइयों के दोपहिया वाहनों में आग लगाने का आरोप लगाया है।

दोपहिया वाहनों में आग लगाने के बाद, स्थानीय नागरिकों और दमकल कर्मियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन चार दोपहिया वाहन और एक रिक्शा पूरी तरह जलकर खाक हो गए। आग से लगभग 3 लाख 15 हजार रुपये का नुकसान हुआ। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। फुटेज में दिख रहा है कि आरोपी अभिषेक श्रीनामे ने पेट्रोल डालकर वाहनों में आग लगाई थी।

आखिरी घंटों में अजित पवार के हाथ लगी बड़ी सफलता; पुणे में बीजेपी को झटका, चंद्रकांत पाटिल का करीबी राष्ट्रवादी में शामिल

मुन्ना मुजावर

पुणेः इस साल भारतीय जनता पार्टी ने पुणे नगर निगम के लिए एक विशेष रणनीति अपनाई है और कई पूर्व पार्षदों के नाम हटाकर नए चेहरों को मैदान में उतारा है। गौरतलब है कि पार्टी ने सही समय पर भारतीय जनता पार्टी के युवा और साहसी नेता, पूर्व पार्षद अमोल बलवाडकर की उम्मीदवारी भी खारिज कर दी। कहा जाता है कि चंद्रकांत पाटिल के साथ विवाद के कारण पार्टी ने उन्हें टिकट देने से इनकार कर दिया। सही समय पर टिकट न मिलने से निराश होकर अमोल बलवाडकर अपने बहनोई के पास गए और उनकी कलाई पर घड़ी बांध दी।

अमोल बलवाडकर बानेर-बालेवाड़ी वार्ड से चुनाव लड़ना चाहते थे। दिलचस्प बात यह है कि वे 2017 से 2022 तक इसी वार्ड से पार्षद रहे। इसके बावजूद पार्टी ने अंत तक उनके उम्मीदवारी का विरोध किया। पार्टी के प्रति वफादार होने के बावजूद, बलवाडकर पार्टी के इस बर्ताव से आहत थे। उन्होंने अजीत पवार को फोन किया और पार्टी में शामिल होने की बात कही। मंगलवार दोपहर को उन्होंने अपनी कलाई पर घड़ी बांधी।

क्या चंद्रकांत पाटिल की नाराजगी के कारण बलवाडकर का टिकट रद्द किया गया था?

अमोल बलवाडकर कोथरूड विधानसभा क्षेत्र

से चुनाव लड़ने की इच्छुक थीं। उन्होंने पार्टी से अपनी उम्मीदवारी के बारे में बात भी की थी। लेकिन पार्टी ने फिर से चंद्रकांत पाटिल को उम्मीदवार बना दिया। इसी बीच बलवाडकर और चंद्रकांत पाटिल के बीच एक गुप्त जंग शुरू हो गई। इसी दौरान देवेंद्र फडणवीस ने बलवाडकर को मना लिया और भविष्य में न्याय दिलाने का वादा किया। लेकिन पुणे के राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा है कि उन्हें नगर निगम चुनाव में उम्मीदवार बनाकर उन्होंने बलवाडकर को रास्ते से हटा दिया है।

वे पिछले आठ दिनों से उम्मीदवारी पाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन पार्टी ने उन्हें बताया कि उम्मीदवारों के नामों की घोषणा न होने के कारण उन्हें इंतजार करना होगा। आवेदन पत्र भरने के लिए 24 घंटे शेष रहने के बावजूद जब उन्हें पार्टी से कोई जवाब नहीं मिला, तो बलवाडकर ने अजीत पवार से संपर्क किया और उम्मीदवारी का अनुरोध किया। अजीत पवार ने भी तुरंत सहमति दे दी।

पार्टी में शामिल होने के बाद बलवाडकर ने क्या कहा?

पार्टी ने मेरे साथ विश्वासघात किया। उन्होंने आखिरी क्षण तक मेरा विरोध किया। उन्होंने सही समय पर मुझे टिकट देने से इनकार कर दिया। उसके बाद मैंने अजीत पवार से संपर्क किया और उनसे बात की। उन्होंने भी उदारता दिखाते हुए मुझे टिकट दे दिया। बलवाडकर ने कहा, 'इसमें मेरा कोई नुकसान नहीं हुआ है, नुकसान पार्टी का हुआ है।'

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)